an>

Title: Regarding demand for justice by soldiers.

श्री चिराग पासवान (जमुई) : उपाध्यक्ष महोदय, सरहद पर जान की बाजी लगाकर सैनिक हमारी मातृभूमि की रक्षा करते हैं। हमारे देश और हमारे समाज का यह गौरवशाली इतिहास रहा है कि अपनों से दूर सैनिक के उस परिवार की रक्षा की जिम्मेदारी हमारा समाज और शासन तंत्र उठाता है। लेकिन मैं आपके संज्ञान में आज एक ऐसा वाकया लाने वाला हूं जो इस सदन में बैठे हुए हर एक सदस्य को झकझोर कर रख देगा।

महोदय, 6 मार्च, 2012 को देश होली का त्यौहार मना रहा था। वहीं हमारी भारतीय सेना में कार्यरत महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के कांधार तहसील के पनमोसी गांव में रहने वाले हवलदार, श्री लक्ष्मण भंसोड़े अपने परिवार से दूर सिक्किम, चीन बार्डर पर भारतीय सीमाओं की रक्षा कर रहे थे। शाम सात बजे उनके गांव से फोन आया कि उनकी मां की निर्मम हत्या कर दी गई है, क्योंकि तस्वीरों से साफ जाहिर है कि किस तरीके से उनकी मां को बेरहमी से पीटने के बाद लोहे के गरम सरिये से दागकर उनकी हत्या की गई थी। वह दिन और आज का दिन अभी तक हवलदार भंसोड़े की मां, श्रीमती सरस्वती बाई अंबाजी भंसोड़े की हत्या के आरोप में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और आज तक यह मामला जस का तस बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर भले ही यह केस दर्ज भी हुआ और वहां जिले के अधिकारियों डीएम, एसपी आदि से हवलदार भंसोड़े की मुलाकात भी हुई। स्थानीय प्रतिनिधियों के द्वारा महाराष्ट्र की असेम्बली में भी इस मामले को उठाया गया। एक सीआईडी की जांच भी इसके ऊपर बैठाई गई, लेकिन आज तीन साल होने के बावजूद यह मामला कहीं नहीं पहुंच पाया है। मैंने फेसबुक पर हवलदार भंसोड़े की पूरी कहानी सुनी, मैं उनसे व्यक्तिगत तौर भी मिला और मैंने उनकी पूरी समस्या को जानने-समझने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि गांव के कुछ दबंगों का उनकी मां पर एक जमीन को बेचने के लिए दबाव था, जिसकी वजह से उनकी मां की हत्या की गई। वह लगातार छुट्टी लेकर आते हैं, अधिकारियों से मिलते हैं, न्याय की गुहार लगाते हैं। उन्होंने प्रधान मंत्री जी, गृह मंत्री जी, महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री से मुलाकात की और इसके अलावा मानवाधिकार आयोग में भी चिट्ठी लिखी, किंतु अभी तक यह मामला कहीं नहीं पहुंच पाया है।

महोदय, इसीलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मैं खुद भी हवलदार भंसोड़े को गृह मंत्री जी के पास लेकर गया था, गृह मंत्री जी से मुलाकात भी हुई और गृह मंत्री जी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द इस पर कार्रवाई की जायेगी, परंतु इस बात को भी छः महीने बीत गये हैं।

इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि इस केस में न्याय की हो रही हानि के मद्देनजर जल्द से जल्द सीबीआई द्वारा जांच कराई जाए और जो सैनिक हमारे देश की रक्षा के लिए, हमारी रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देते हैं, मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा ग्लानि का विषय और कुछ नहीं हो सकता कि न तो हम उनकी मां की रक्षा कर पाये और न ही उन्हें न्याय दिला पाये। धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel,

Shri Keshav Prasad Maurya,

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Shri Arvind Sawant,

Shri Anandrao Adsul,

Shri Rahul Shewale,

Shri Hemant Tukaram Godse,

Shri Rajendra Agrawal and

Shri Shrirang Appa Barne are permitted to associate with the issue raised by Shri Chirag Paswan.